Syllabus for MPhil / PhD Enterance Test in Geography

Maximum Marks: 100 (A+B)

Subject (विषय) : Geography (भूगोल)

अधिकतम : 100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 50 समय : 02 घण्टे

टीपः– पाठ्यक्रम दो भागों में कुल 100 अंक का होगाः–

1. भाग–अ शोध प्रविधि (50 अंक)
2. भाग–ब विषय से संबंधित (50 अंक)
3. प्रत्येक भाग–अ एवं ब में 5–5 इकाईयां ;न्दपजद्ध होंगी।
4. सभी इकाईयों से पाठ्यक्रम का समान विभाजन किया जाए।
5. ऋणात्मक मूल्यांकन नहीं होगा।

Part A (भाग अ) रू Research Methodology (शोध प्रविधि) Marks : 50

Particulars / विवरण

Unit -1	Concept of research in geography, significance of research in geography, inductive & deductive approaches in research, types of research: traditional & beheavioural research, experimental research in geography.
इकाई –1	भूगोल में शोध की संकल्पना, भूगोल में अनुसंधान की सार्थकता, शोध के निगमनात्मक एवं आगमनात्मक उपागम, शोध के प्रकारः परम्परागत, व्यवहारिक एवं प्रयोगात्मक शोध।
Unit - 2	Identification of research problems, selection of case study, observation method, stages of research, specification & objective of research, methods of review of literature, preparation of bibliography & reference material, synopsis writing.
इकाई –2	शोध समस्याओं की पहचान, शोध विषय का चुनाव, अवलोकन विधि, शोध के विभिन्न स्तर, शोध का विशिष्टीकरण एवं शोध के उद्देश्य, शोध साहित्य की विधियां, संदर्भ एवं ग्रंथसूची का निर्माण, संक्षेपिका सारलेखन।
Unit – 3	Nature of geographical data & information, special & non-special, temporal, quantitative & qualitative data, sources of primary & secondarydata, method of representation of data: graphical, statistical, selection of indicators & variables, questionnaires, schedule, interview.
इकाई –3	भौगोलिक आंकड़ों एवं सूचनाओं की प्रकृति, स्थानिक एवं अस्थानिक, कालिक, मात्रात्मक, गुणात्मक, प्राथमिक एवं द्वितीयक आंकड़ों के स्त्रोत, आंकड़ों को दर्शाने की विधियां, रेखीय सांख्यिकीय, सूचकांकों एवं चरों का चुनाव, प्रश्नावली, अनुसूची, साक्षात्कार।
Unit – 4	Probablity & non-probablity sample, types and methods of sampling, hypothesis testing, chi square, t-test, F test, measures of central tendency: mean, mode, median, quartile, dispersion, standard deviation analysis of variance and co-variance.
इकाई –4	प्रतिचयन के प्रकार एवं विधियांः संभावित एवं गैर संभावित प्रतिचयन, परिकल्पना परीक्षणः काई स्क्वेयर, टी–टेस्ट, एफ टेस्ट, केन्द्रीय प्रवृत्ति के मापः माध्य, माध्यिका, बहुलक, चतुर्थक, विचलन, प्रमाप विचलन,

	प्रसरण एवं सह–प्रसरण का विश्लेषण।
Unit – 5	Simple correlation (Karl Pearson and Spearman's), co-efficient of correlation, regression analysis, multiple correlation and multiple regression, graphical presentation of data.
इकाई –5	साधारण सहसंबंध (कार्ल पियरसन एवं स्पियरमेन्स), सहसंबंध गुणांक, प्रतीपगमन विश्लेषण, बहुगुणी सहसंबंध एवं बहुगुणी प्रतीपगमन, आंकड़ों का रेखीय प्रस्तुतीकरण।

References:

1. Ahuja, R., (2001), "Research Methods", Rawat Publications, Jaipur and New Delhi.

2. Kothari, C.R., (2004), "Research Methods", New Age International (P) Limited, Publishers, New Delhi, Bangalore, Chennai, Cochin, Guwahati, Hyderbad, Kolkata, Mumbai.

3. Kothari, C.R., (2006), "Quantitative Techniques", Vikas Publishing House pvt. Limited, New Delhi, Bangalore, Chennai, Kolkata, Mumbai.

4. Mishra, H.N., "Research Methodology in Geography".

5. Peter Hagget, "Quantitative Techniques in Geography".

6. Peter Hagget, "Models in Geography".

7. Cole & King, "Statistical Analysis in Geography".

8. Deshprabhu-Suchitra, "Sociological Research".

9. शुक्ला, एस.एम. एवं सहाय, शिवपूजन, (1997), ''सांख्यिकी के सिद्वांत'', साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा।

10ण आहुजा, आर., (2001), ''शोध प्रविधि'', रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर एवं नई दिल्ली।

11ण मुखर्जी, राधारमन, ''सामाजिक अनुसंधान एवं सर्वेक्षण''।

12ण श्रीवास्तव, वी.के., ''सांख्यिकी भूगोल''।

13ण मुखर्जी, रविन्द्रनाथ, ''सामाजिक शोध एवं सांख्यिकी''।

14ण द्विवेदी, आर.एन., ''शोध प्रविधि''।

15ण यादव, हीरालाल, (1994), ''शोध प्रविधि एवं मात्रात्मक भूगोल'', राधा पब्लिकेशन।

Syllabus for MPhil / PhD Enterance Test in Geography

Part B : Geography **Marks: 50**

भाग ब : भूगोल

Particulars / विवरण

Unit -1	**Geomorphology:** Fundamental concepts; Factors controlling land form development; Endogenetic and Exdgenetic forces; Denudation process: weathering and erosion. Geosynclines, continental drift and plate tectonics, Isostacy, Vulcanicity and Seismicity Concept of Geomorphic Cycle; Landforms associated with fluvial, glacial, arid, coastal and karst cycles, Slope forms and processes, Morphogenetic region.
इकाई –1	**भू–आकृतिक विज्ञानः** मौलिक संकल्पनाएं; भू–आकृतिक विकास को नियंत्रित करने वाले कारक, अंतर्जात तथा बहिर्जनित शक्तियां, अनाच्छादन प्रक्रम; अपक्षय तथा अपरदन भू–अभिनतियां; महाद्वीपीय विस्थापन तथा प्लेट विवर्तनिकी; समस्थिति, ज्वालामुखीय और भूकम्पीय गतियां, भू–आकृतिक चक्र की संकल्पना; नदी, हिमनदीय, शुष्क, तटीय एवं कार्स्ट चक्रों से संबद्व भू–आकृतियां, ढ़ाल; आकृतिक तथा प्रक्रम; भू–आकृतिक प्रदेश।
Unit - 2	**Climatology:** Composition and structure of the atmosphere; Insolation; Heat budget of the earth; Distribution of temperature, atmospheric pressure and general circulation of winds; Monsoons and jet streams , Air-masses; Fronts, temperate and tropical cyclones; Types and distribution of precipitation; Classification of world climates; Koppen's and Thornthwaite'si schemes. **Oceanography:** Origin of ocean basins, Surface configuration of the ocean floor, Bottom relief of Indian, Atlantic and Pacific Oceans; Ocean deposits; Coral reefs; types and theories of their origin, Temperature and salinity of the Oceans; Density of sea water; Tides and ocean currents.
इकाई –2	**जलवायु विज्ञानः** वायुमंडल की रचना तथा संरचना; सूर्यातप, पृथ्वी का ऊष्मा बजट; तापमान का वितरण; वायुमंडलीय दाब तथा वायु का सामान्य परिसंचरण; मानसून तथा जेट धाराएं; वायु–सहंतियां, अग्रांत, ऊष्णकटिबंधीय तथा शीतोष्ण चक्रवात; वर्षण के प्रकार तथा वितरण, विश्व जलवायु का वर्गीकरण; कोपेन तथा थान्थवेट स्कीमें। **समुद्र विज्ञानः** महासागर में द्रोणियों का उदग्म; समुद्र नितल की संरचना, हिंद महासागर, अटलांटिक महासागर तथा पैसेपिक महासागरों का तलीय उच्चावच, महासागरीय निक्षेप, प्रवाल भित्तियां; उनके प्रकार एवं उत्पत्ति के सिद्वांत, महासागरों का तापमान तथा लवणता; समुद्री जल का घनत्व; ज्वार–भाटा तथा महासागरीय धाराएं।
Unit – 3	**History of Geographic Thought:** Concept in the philosophy of geography, The basic concept of geography; spatial distribution, interaction and area differentiation and spatial organization, General character of Geographic knowledge during the ancient and medieval period, Contribution of German, French, British and American schools, Man and Environment, determinism and possibilism and new Determinism,

	positivism, humanism and behaviouralism in Geography, postmodernism in Geography.
इकाई –3	**भौगोलिक विचारधारा का इतिहासः** भूगोल में दर्शन की अवधारणा; भूगोल की आधारी संकल्पनाएंः स्थानिक वितरण, अन्तर्क्रिया एवं क्षेत्रीय विभेदन तथा स्थानीय संगठन। प्राचीन तथा मध्ययुगीन भौगोलिक ज्ञान का सामान्य स्वरूप; जर्मन, फ्रांसीसी, ब्रिटिश तथा अमरीकी विचारधाराओं का योगदान, मानव तथा पर्यावरण; निश्चयवाद, संभाव्यवाद तथा नव–निश्चयवाद, भूगोल पर प्रत्यक्षवाद, मानववाद एवं व्यवहारवाद का प्रभाव।
Unit – 4	**Economic Geography:** Sectors of Economy: primary, secondary, tertiary and quaternary; Natural resources: renewable and non-renewable. Measurement of agricultural productivity and efficiency; Crop combination and diversification; Von Thimen's Model.Classification of industries: Weber's and Losch's approaches; Resource based and footloose industries. **Geography of India:** Physiographic divisions; Climate: Its regional variations; Vegetation types and vegetation regions; Major soil types; Irrigation and agriculture; Population distribution and growth; Settlement patterns; Mineral and power resources; major industries and industrial regions. **Population Geography:** Patterns of world distribution;. Growth and density of population; Patterns and processes of migration; Demographic transition.
इकाई –4	**आर्थिक भूगोलः** अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक (सेक्टर)ः प्राथमिक, द्वितीयक, तृतीयक तथा चतुर्थक; प्राकृतिक संसाधन; नवीकरणीय तथा अनवीकरणीय। कृषि उत्पादकता तथा दक्षता का माप; शस्य संयोजन तथा विविधता; वॉन थ्यूनेन मॉडल, उद्योगों का वर्गीकरण; वेबर तथा लॉश के उपागम; संसाधन आधारित तथा स्वच्छंद उद्योग। **भारत का भूगोलः** भू–आकृतिक प्रभाग; जलवायुः इसकी प्रादेशिक विभिन्नताएं; वनस्पति के प्रकार तथा वानस्पतिक प्रदेश; प्रमुख मृदा प्रकार; सिंचाई तथा कृषि; जनसंख्या वितरण तथा वृद्वि; अधिवास प्रतिरूप; खनिज तथा विद्युत के संसाधन; प्रमुख उद्योग तथा औद्योगिक प्रदेश। **जनसंख्या भूगोलः** विश्व में जनसंख्या के वितरण, वृद्वि एवं घनत्व के प्रतिरूप; प्रवास के प्रतिरूप तथा प्रक्रम; जनसांख्यिकीय संक्रमण।
Unit – 5	**Regional Planning:** Regional concept in Geography; Concept of planning regions; Types of regions; Nodal, homogenises and functional, Methods of regional delineation; Regional planning in India. Regional disparities and indicator of development. **Settlement Geography*:*** Site, situation, types, size, spacing and internal morphology of rural and urban settlements; City – region; Primate city; Rank – size rule; Settlement hierarchy; Christaller's Central Place theory; August Losch's theory of market Centres. **Political Geography:** Heartland and Rimland theories; Boundaries and frontiers; Nature of administrative areas and Geography of public policy and finance. **Remote sensing and GIS:**Remote sensing and Computer application in mapping;

	Digital mapping; Geographic Information System (GIS).
इकाई –5	**प्रादेशिक योजनाः** भूगोल में प्रादेशिक संकल्पना; योजना प्रदेश की संकल्पना; प्रदेशों के प्रकारः नोडल, सजातीय तथा कार्यात्मक, प्रादेश्कि परिसीमन की विधियां; भारत में प्रादेशिक योजना; प्रादेशिक असंतुलन/ विषमताएं, विकास के संकेतक। **अधिवास भूगोलः** ग्रामीण तथा नगरीय अधिवासों का स्थल, स्थिति, प्रकार, आकार, अंतराल तथा आंतरिक आकृति–विज्ञान; नगर प्रभाव क्षेत्र; प्रमुख शहर; श्रेणी–आकार प्रणाली; अधिवास पदानुक्रम; क्रिस्टालर का केन्द्रीय स्थान सिद्वांत; आगस्ट लॉश का बाजार–केन्द्र सिद्वांत। **राजनीतिक भूगोलः** हॉर्टलैण्ड तथा रिमलैण्ड सिद्वांत; सीमाएं तथा सीमान्त; प्रशासनिक क्षेत्रों की प्रकृति तथा वित्त तथा लोक नीति का भूगोल। **सुदूर संवेदन तथा जीआईएसः** मानचित्रण में सुदूर संवेदन और कम्प्यूटर अनुप्रयोग, अंकीय मानचित्रण; भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस)।

References:

1. Dikshit, R. D. (2004): Geographical Thought. A Critical History of Ideas. Prentice-Hall of India, New Delhi. (in English and Hindi).
2. Singh, R. L. and Singh, Rana P.B. (eds.) (1992): The Roots of Indian Geography: Search and Research. National Geographical Society of India, B.H.U., Varanasi, Publication number 39
3. Harvey, M. E. and Holly, P.B. (2002): Themes in Geographic Thought. Rawat Publications, Jaipur and New Delhi.
4. Singh, M. B. (1999): Climatology and Hydrology. Tara Book Agency, Varanasi. (In Hindi).
5. Singh, M. B. (2002): Physical Geography. Tara Book Agency, Varanasi. (In Hindi).
6. Chauniyal, D. D. (2004): Remote Sensing and Geographic Information Systems. (in Hindi). Sharda Pustak Bhawan, Allahabad.
7. Nag, P. (ed.) 1992: Thematic Cartography and Remote Sensing, Concept Publishing. Company, New Delhi.
8. Survey of India, (1973): Photogrammetry, Survey of India, Dehradun.
9. Gautam, A. (2006): *Aarthik Bhugol Ke Mool Tattava*, Sharda Pustak Bhawan, Allahabad.
10. Guha, J. S. and Chattoraj, P.R. (2002): A New Approach to Economic Geography: A Study of Resources. The World Press Private Limited, Kolkata.
11. Khullar, D. R. (2006): India. A Comprehensive Geography. Kalyani Publishers., New Delhi.
12. Krishnan, M. S. (1968): Geology of India and Burma. 4th edition. Higgin Bothams Private. Ltd., Madras.

13. Nag, P. and Gupta S. S. (1992): Geography of India. Concept Publishing. Company, New Delhi.
14. Sharma, T. C. (2003): India: Economic and Commercial Geography. Vikas Publication., New Delhi.
15. Singh, J. (2003): India: A Comprehensive and Systematic Geography. Gyanodaya Prakashan, Gorakhpur.
16. Gautam, A. (2007): Environmental Geography, Sharda Pustak Bhawan, Allahabad
17. Nag, P., Kumra, V.K. and Singh, J. (1990): Geography and Environmental Issues at Local, Regional and National Levels. (in 3 vols.), Concept Publishing Company, New Delhi.
18. Singh, S. (2006): Environmental Geography. Prayag Pustak Bhawan, Allahabad.
19. Singh, S. (2007): *Paryavaran Bhugol.* Prayag Pustak Bhawan, Allahabad.
20. Singh, S. N. (1993): Elements of Environmental Geography and Ecology in Hindi), Tara Book Agency, Varanasi
21. Sign, J. and Dhillon, S.S. : Agricultural Geography, Tata McGraw Hill Pub., New Delhi, 1988
22. Carter, H. (1995): The Study of Urban Geography. 4th ed. Reprinted in 2002 by Rawat Publications, Jaipur and New Delhi.
22. Dubey, K.K. (1976): Use and Misuse of Land in KAVAL Towns. National Geographical Society of India, Varanasi.
23. Dubey, K.K. and Singh, A.K. (1983): Urban Environment in India. Deep and Deep, New Delhi.
24. Dutt, A. Allen, K, Noble, G., Venugopal G. and Subbiah S. (eds.) (2003): Challenges to Asian Urbanisation in the 21st Century. Kluwer Academic Publishers, Dordrecht and London.
25. Hall, P. (1992): Urban and Regional Planning. Routledge, London
26. Chandna, R. C. (2006): Geography of Population. Kalyani Publishers., New Delhi.Clark, J. I. (1972): Population Geography. Pergamon Press, Oxford.
27. Singh, K.N. and Singh, D.N. (eds.) (1992): Population Growth, Environment and Development. EDSC, Varanasi.
28. Ahuja, R. (2001): Research Methods, Rawat Publications, Jaipur and New Delhi.
29. Bhattacharyya, D. K. (2005): Research Methodology, Excel Books, New Delhi
30. Dikshit, R. D. (2003): The Art and Science of Geography: Integrated Readings. Prentice-Hall of India, New Delhi.

31. Singh, R. L. and Singh, Rana P.B. (1993): Elements of Practical Geography. Kalyani Publishers, Ludhiana and New Delhi. (English and Hindi editions).
32. Sharma, J. P. : Prayogik Bhoogol , Rastogi Publication, Meerath .
33. Singh, R. L. : Elements of Practical Geography, Kalyani publication, New Delhi.
34. Kothari, C. R. : Quantitative Techniques, Vikash publishing house Pvt Ltd